प्रेषक.

कुँवर सिंह, अपर सचिव उत्तराचल शासन ।

सेवा में

मुख्य महाप्रबन्धक उत्तरांचल जल संस्थान देहरादून।

पेयजल अनुभाग

देहरादून दिनांक २१ मार्च, 2005

विषय:-वित्तीय वर्ष 2004-05 में नगरीय पेयजल योजना अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं का सुद्दीरकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्रांक 4379/ग्रा0यो0 कुमींयू/ /2004-05 दिनांक 23.03.2005, पत्रांक 4384/वि0अनु0बनावंटन/2004-05 दिनांक 24.03.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नगरीय पेयजल योजनान्तंगत श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में संलग्न-1 विवरणानुसार उल्लिखित विभिन्न पेयजल योजनाओं के सद्बीकरण हेतु रू० 250.00 लाख (रू० दो करोड पचास लाख माव) की धनराशि संलग्नक-2 में श्री०एम-15 के विवरणानुसार पुनर्विनियोजन के माध्यम से बचतों के व्यावर्तन हारा व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहबं स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2— स्वीकृत घनराशि मुख्य महाप्रबन्धक उत्तरांचल जल संस्थान के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, आवश्यकतानुसार आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरना उपलब्ध

करा दी जायेगी।

3— स्वीकृत धनराशि जिन निर्माण कार्यो पर व्यय की जायेगी उन कार्यो की लागत के सापेक्ष उ०प्र० शासन की वित्त (लंखा) अनुभाग—2 के शासनादेश सं0—ए—2—87(1) दस—97—17 (4)/75 दिनांक 27.02.1997 के अनुसार 12.5 प्रतिशत की धनराशि ही संटेज चार्जेज के रूप में अनुभन्य होगी। धनराशि व्यय करने से पूर्व मुख्य महाप्रबन्धक यह भी सुनिश्चित कर लेंगे कि अमुक कार्यो पर पूर्व में व्यय की गयी धनराशि को सामायोजित करते हुए सेंटेज चार्जेज किसी भी दशा में 12.5 प्रतिशत से अधिक व्यय नहीं होगा। कृपवा इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कर लें।

१६६ कमश 2

4— उन्त स्वीकृत धनराशि का आवटन/व्यय संलग्न विवरण में उल्लिखित कार्यों पर ही किया जायंगा तथा जनपदवार/योजनावार धनराशि के आवंटन की सूचना शासन को एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध करा दी जाय। इसके अतिरिक्त कार्यों की मासिक/त्रैमासिक वित्तीय/भीतिक प्रगति यथासमय शासन को उपलब्ध करा दी जाय। स्वीकृत धनराश ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति न हो अथवा जो विवादत्रस्त है। धन का उपयोग उन्हीं योजनाओं पर किया जाय जिनके लिये स्वीकृति दी जा रही है। एक योजना की धनराशि दूसरी योजना पर कदापि व्यय न की जाय।

5- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से

उत्तरदायी होंगे।

6— व्यय करने के पूर्व बजट मैनुअल फाईनेन्शियल हैण्डबुक नियमों, टेंडर एवं अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यो पर व्यय करने से पूर्व आगणनों पर सक्षम अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

7— स्वीकृत की जा रही धनताशि के पूर्ण उपयोग के उपरान्त इसके वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण उपलब्ध कराये जाने के बाद ही आगामी किस्त अवमुक्त की

जायंगी।

8— जक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में अनुदान सं0-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05— नगरीय पेयजल-03— नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन,जीणोद्धार सुदृढीकरण हेतु अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा

9— यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0— 1173/वि0 अनु0— 3/2005 दिनांक 29 मार्च, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं। संलग्नक—क्योक्त मवदीय,

(कुँवर सिंह) अपर सचिव

संख्या— 776 (1) / उन्तीस / 04 / (47पे0) / 2004, तद दिनांक प्रतिलिपि—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1- महालेखाकार, उत्तराचल,देहरादून।

2- मण्डलायुक्त गढवाल, /कुमाँयू ।

3- जिलाधिकारी,देहरादून/रूदप्रयाग/नैनीताल।

4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, दहरादन।

कमश.,३..

5- प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून।

6- महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जलसंस्थान पौडी /नैनीताल।

7- वित्त अनुभाग-3/वित्त वजट सेल/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराचल शासन,।

B- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री/मा0 पेयजल मंत्री, उत्तरांचल ।

9- निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।

10- निदेशक एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर,देहरादून।

आज्ञा से \(\sqrt{\sqrt{\sqrt{\text{\ti}\\\ \text{\ti}\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\ti}\}\\\\ \text{\tetx{\text{\texi}\\ \text{\text{\text{\text{\text{\texitt{\text{\texi}\text{\text{\texi\}\\ \text{\text{\texi}\tex{\text{\texi}\til\titt{\text{\text{\texi{\texi{\text{\text{\text{

## शासनादेश संख्या 776/ उन्तीस / 05-2(47पे0) / 2004 दिनांक मार्च, 2005 का संलग्नक

平0 平0	वानपद	यंजना का नाम	अनु० तस्यत	स्वीकृत राशि
1-	रुद्धवयाग	रुद्रप्रयाग शहर की जलापूर्ति	110.98	50.00
	नेनीताल	विकास खण्ड भीमताल की पेठचीठ	73.65	40.00
3-	देहरादून	मह्वाता शिमला बाईपास पर पाईप बदलना	35.00	20.00
4-	देहरादून	शक्ति बिहार में नलकूप निर्माण प पाईष लाईन विस्तार	95.00	40.00
£.—		टर्नर रोड में पाईप लाईन बदलना आर विस्तार	37 50	20,00
		सुभाषनगर पोस्ट ऑफिस रोड पर पाईप ताईन विस्तार	20.25	15.00
		पित्ध् वाला कार्यालय प्रामण में नलकूप संचालन हेतु नियंत्रण कक्ष निर्माण	25.00	15.00
		जोगीवाला जोन में अभावद्यस्त क्षेत्रों में पाईप लाईन विस्तार	67.80	30.00
		जोगीवाला जोन के अन्तर्गत टयूबवेल एवं फिल्टर हाऊस, कंसरवाला के घारों और शऊड़ीवाल निर्माण	20.00	20.00
		योग:-	485.18	250.00

(रू० दो करोड़ पचास लाख मात्र) अस्ति

(कुँवर सिंह) अपर सचिव

४ अतिकारी - पुरुष महाप्रयन्त्रक प्रात्तरादक जात संस्थान देहरापूर।

200 200

The an phase-net TO SHE SHE STATES शनिक विनाग - गणान जनार जन गणा है के न On second areas logg some १०-सम्बद्धे अनुसम् अस्ट्रामः केव्यमकृतकतः पुराविधारिक संज्ञत Casalline and school 2000 21212 perfor the arm is the perform to easy bytes a strain on to test to a strain thead as mount with from \$1. Brailing which STATE AND ÷ STATE GO Date of S STATE STATE 41219 schilecon) south bat mith weeds \$1714.00 yo seppe take to the con-NAME AND NAME AND POST OF PERSONS शायाक अनुदान/अग्राहान/ the protects better topic Angel appearing soph SALE IN 25000 ेन्द्रिकार क्षेत्र के मानका जब क्षेत्र करान्त्र । इस्तिकार के व्यक्तियाम के व्यक्तिकार करा कृत समार्थ 105000 105000 वन्यक्षणामा ज ATTEN CAP 10210 41.091 ्या १-१८५३ वर स्थापन १ वर्ष a present equal (to) (a) while exerts in month भागाना स दल है जिस्सा 977

क्षा स्थाप प्रित (alogophe)

会の 元

महर्त्यकाकार GRITTAN CERT

> संस्था - ११३४ क्रोनित अन्तर-१७०७ देश्यादेव विस्तात २९ वर्ष २००७ हित्त अनुगर्भ उ

विकास कार्या

्र अपा चीप

VER 776(2)/2018/05-2-(47%)/2014 82 18718 চাটোনিটি নিল্টিটিল কা ক্ৰমেন তৃত আৰক্তন কাৰ্যনাই ইনু টুটিত – নিকামিকাৰী, সন্মান্ত্ৰী বৈত্যালয় ২ জিল ১, বিশ্ব হলাবন সংগ্ৰা

्र होतर वितर ) इस्त वर्गीय